

107  
17/22

पत्रावली पत्रा हुई वकील वरी उपरिपत्र  
 तरे वकील के पत्राक ८०० दि. 1.8.22  
 के अन्वय पत्राक पाए हुका जे ३०-००  
 किमा २००० अन्वय पत्राक पर वकील वरी  
 के कोई आपत्त नही है। अतः मुताबिक पत्राक  
 अन्वय शर्तित दिष्टी जागी किसे जानाउरि  
 सम्मति। अन्वय दिष्टी जागी के पत्राक  
 फेरल अन्वय होका वाउ वकील वकील वकील  
 दमर हो।

  
 उपखण्ड अधिकारी  
 झालावाड़